LOK SABHA

Thursday, 24th April, 1958.

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

ज्वालामुखी में तेल के लिये छिद्रण

+

*१८०३. श्री भक्त दर्शन :
श्री डी० चं० शर्मा :
श्री हेडा :
श्री राम कृष्ण :
श्री हेम राज :
श्री बलवन्त सिंह :
श्री रघुनाथ सिंह :
श्रीमती इला पालचौधरी :
श्री राम शंकर लाल :
श्री नारायणन कुट्टि मेनन :
श्री वाजपेयी :

क्या इस्पात, खान और ईंधन मंत्री १७ दिसम्बर १९५७ के तारांकित प्रश्न संख्या ११९० के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ज्वालामुखी क्षेत्र मे पेट्रोलियम की खोज के लिये छिद्रण कार्य में और क्या प्रगति हुई है ;

(ख) ३१ मार्च, १९५८ तक अधिक से अधिक कितनी गहरी खुदाई की गई ;

(ग) अन्तिम परिणाम सम्भवत: कब तक ज्ञात हो सकेगा ;

(घ) क्या यह सच है कि इस वर्ष फरवरी के प्रारम्भ में यांत्रिक खराबी के कारण छिद्रण स्थगित कर देना पड़ा था ; और

(ङ) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे ?

खान और तेल मंत्री (श्री के० दे० मालवीय) : (क) और (ख). ३०-११-५७ तक ज्वालामुखी कुयें में १०९० फुट और गहरी खुदाई की गई । इस प्रकार कुयें की कुल गहराई ६०२० फुट हो गई । २ -१-५८ तक खुदाई का काम (rilling operations) सन्तोष-पूर्वक होता रहा । लेकिन २३-१-५८ से ११-३-५८ तक खुदाई का काम रुक गया क्योंकि इस बीच में (Fishing operations) और टर्बो-ड्रिल (Turbo-drill) और पाइपों को बाहर निकालने का काम पूरा किया जा रहा था । मुख्य मुख्य (Fishing operations) के सफलता पूर्वक पूरा होने के बाद इलक्ट्रोलागिंग (Electrologi अन्य तरीक़ों से टेस्ट किये गये । इन टेस्टों के परिणाम स्वरूप कुएं का perforation द्वारा टेस्ट करने का प्रस्ताव मंजूर हुआ ।

(ग) मौजूदा किये जाने वाले टेस्टों और perforation के परिणाम जल्दी ही मालूम हो जायेंगे । फिर भी अन्तिम परिणाम मालूम होने की निश्चित तिथि बताना मुश्किल है ।

(च) और (छ). २३-१-५८ से खुदाई का काम स्थगित कर दिया गया जब तक कि Turbo-drill और कुछ पाइपों को बाहर निकालने के लिये Fishing operations पूरे न हो जायें।

(a) and (b). Since 30th November, 1957 a further depth of 1090 ft. has been drilled till 31st March 1958 in the Jawalamukhi well i.e. the well reached a total depth of 6020 ft. Drilling operations proceeded satisfactorily till 23rd January, 1958. From 23rd January to 11th March, 1958 the drilling operations were suspended, pending completion of fishing operations and pulling out the turbo-drill and pipes that got stuck in the hole. After the successful completion of the major fishing operations, the well was tested by electrologing and other methods. As a result of these tests, it is proposed to test the well by perforation.

(c) The results of the present series of tests and perforation will be known shortly. It is, however, not possible to indicate the exact date on which the final results will be known.

(d) and (e). Drilling was suspended with effect from 23rd January pending completion of fishing operations to pull out the turbo-drill and some pipes, which got stuck up in the hole.

श्री भक्त दर्शन : क्या यह सत्य है कि इस ड्रिलिंग के सम्बन्ध में रोमानियन सरकार के साथ जो समझौता हुआ था वह पूरी तरह से नहीं चल पाया है और अब रूसी विशेषज्ञों की सहायता से काम किया जा रहा है ? क्या मंत्री महोदय इस सम्बन्ध में कुछ प्रकाश डालने की कृपा करेंगे ?

श्री के० डी० मालवीय : जी, नहीं ऐसी बात नहीं है। जो रोमानियन विशेषज्ञ हमारी सहायता कर रहे थे आयल एंड गेस कमिशन के ज्वालामुखी नम्बर १ कुऐं के खोदने में वे अब भी काम कर रहे हैं। समय समय पर दुनिया के मशहूर ज्योलोजिस्ट और ड्रिलर्ज से भी राय ली जाती है। और उनको फीस भी दी जाती है और जब वे यहां आते हैं तो उनकी राय का भी हम फायदा उठा लेते हैं।

श्री भक्त दर्शन : क्या अब तक ड्रिलिंग की जो प्रगति हुई है उससे यह आशा की जा सकती है कि कुछ दिनों के अन्दर इस बारे में कार्य पूरी तरह सफल होगा और आगे खुदाई की जा सकेगी ?

श्री के० डी० मालवीय : बहुत जल्दी ही ऐसी आशा की जाती है कि हमको परफोरेशन टेस्टस के परिणाम मालूम हो जायेंगे और हम दो चार पांच छ दिन में फिर यह फैसला करेंगे कि और गहराई में खोदें या उसकी बगल में ही दूसरा कुंआ खोदना शुरू कर दें।

Shri D. C. Sharma: May I know what was responsible for the breakdown of that mechanical equipment to which the hon. Minister referred in his reply, and whether that is the experience which we are having everywhere where we are having such drilling operations?

Shri K. D. Malaviya: Such accidents occur generally in hard rock formations which are complicated by alteration of soft and hard rocks. Here these drilling pipes got stuck up due to some reason which is not yet clearly analysed. It is not an unknown and unusual accident—for instance, recently in Iran in a very prolific well this accident took place and it has not yet been able to rectify the trouble although it was more than 14 months back that the accident took place.

Shri Narayanankutty Menon: On 1st April the hon. Minister announced when drilling operations were to start after the first accident. After that announcement there was a report in the press that another accident has taken place—obviously, an exaggerated report. May I know whether there

was a second accident, what is the extent and quantum of that accident and how long drilling operations will be prevented because of that accident?

Shri K. D. Malaviya: The report was not very accurate. The fact was that a very small piece of iron drilling bit fell down in the bottom; it was drawn out by a magnet and the whole thing was cleared very soon.

श्री बाजपेयी : २३ तारीख को जो दुर्घटना हुई थी उस तरह की दुर्घटनायें आगे न हों इस सम्बन्ध में क्या कदम उठाये गये हैं या उठाये जा रहे हैं ?

श्री के० डी० मालवीय : सभी मुनासिब कोशिशें की जा रही हैं कि ऐसा फिर न हो ।

Shri Supakar: May I know what time will elapse before this well is fit again for drilling operations?

Shri K. D. Malaviya: The well is quite fit for resumption of drilling operations. But, as we have to test at various horizons for possibilities of oil or gas, we are just now busy testing those possibilities. As soon as these tests are concluded within a few days—say, four or five days—we shall resume drilling in order to reach the bottom where it is supposed that source rocks are lying.

Shri Raghubir Sahai: May I know whether despite this accident which has taken place at Jwalamukhi the Rumanian experts who are in charge of this boring are very hopeful of finding oil?

Shri K. D. Malaviya: I have not had such detailed personal discussion with our experts, although I know that they entertain some hope that oil might be found out in one of these wells.

श्री भक्त दर्शन : जब यह कार्य प्रारम्भ किया गया था उस वक्त क्या इस बात की आशंका पैदा हुई थी या कोई इस तरह की सम्भावना पहले थी कि इस तरह की कोई अड़चनें आगे आयेंगी और यदि इस प्रकार की आशंका नहीं थी तो इस दुर्घटना के लिये जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ़ क्या कार्रवाई की गई है ?

श्री के० डी० मालवीय : जी नहीं जब इस तरह के कुंय की खुदाई की जाती है, ड्रिलिंग की जाती है तो हमेशा यह समझ लिया जाता है हमेशा इस बात की सम्भावना रहती है कि ऐसे एक्सीडेंट होंगे और उसके लिये हर तरह की तैयारी भी कर ली जाती है । लेकिन चूंकि यहां पर पहले ही कुआं था इस लिये बहुत बड़े पैमाने पर ऐसे एक्सीडेंट का मुकाबला करने की तैयारी नहीं की जा सकी क्योंकि उसमें खर्च बहुत आता है ।

Shri Narayanankutty Menon: Sir, we would like to have that answer in English.

Mr. Speaker: The hon. Minister may give the English version of his last answer.

Shri K. D. Malaviya: Usually provision is always made for meeting such accidents when we start drilling operations of such huge dimensions. But, as this was only the first drilling all such precautions that are elaborately taken were not taken and they were not necessary during the first phases because, firstly, lot of finances are involved in it and, secondly, they ultimately prove mostly unnecessary.

Pensions for I.A.S. Officers

***1804. Shri Harish Chandra Mathur:** Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether rules pertaining to retiring benefits and pensions in respect of I.A.S. officers have been finalised; and

(b) whether pensions are being paid at different rates in different States?

The Deputy Minister of Home Affairs (Shrimati Alva): (a) These rules are still under consideration.